बीरेन्द्र सिंह-चौटाला की मुलाकात जरूर कुछ गुल खिलाएगी

करनाल (म.मो.) हरियाणा के पूर्व मुख्यमन्त्री ओमप्रकाश चौटाला के जेल से बाहर आने के बाद इनेलो नेता एवं कार्यकर्ताओं के बढ़े उत्साह को देखते हुए इनेलो चीफ अब अपने विरोधियों से बदला लेने की रणनीति बनाने में जुट गए हैं। प्रदेश में भाजपा और जजपा से खुंदक रखने वाले नेताओं को लामबंद करने का प्रयास भी शुरू कर दिया है ताकि वक्त पर सही निशाने पर तीर लगाकर विरोधियों को धाराशाही किया जा सके। ओम प्रकाश चौटाला ने हरियाणा की राजनीति में बेबाक वक्ता के रूप में विख्यात बीरेन्द्र सिंह से करीब 4 घंटे गुप्त वार्ता कर विभिन्न पहलुओं पर मंत्रणा की।

सूत्रों ने बताया कि बीरेन्द्र सिंह कांग्रेस छोड़कर भाजपा में जाने के बाद घुटन महसूस कर रहे है। हालांकि बीरेन्द्र सिंह को कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आने पर अपने परिवार को एडजस्ट करने का फायदा हुआ है। लेकिन इसके बदले उन्हें अपने मन्त्रीपद की कुर्बानी भी देनी पड़ी। बीरेन्द्र सिंह कांग्रेस में रहते हुए अपने समर्थकों के लिए 30 टिकटों की मांग कर रहे थे, जिसे कांग्रेस हाईकामन ने अस्वीकार कर दिया था। कांग्रेस में अपने रिश्तेदार भूपेन्द्र हुड्डा से बिगड़े सम्बंधों के चलते हो रही उपेक्षा सहन न कर पाने पर बीरेन्द्र सिंह भाजपा का झंडा यह सोचकर पकड़ कर खड़े हो गए कि भाजपा राज में उनकी समर्थकों के साथ खूब चलेगी। भाजपा के सत्ता आने के बाद न तो बीरेन्द्र सिंह की

प्रदेश का सीएम बनने की तमन्ना पूरी हुई और न ही उन्हें उतना सम्मान मिला, जिसकी वह चाह लिए हुए थे। इसीलिए बीरेन्द्र सिंह किसान आंदोलन की आड़ में अपनी मन की बात कई बार निकाल चुके है। उनकी मनोदशा को इनेलो चीफ ओमप्रकाश चौटाला ने भांपकर उन से चार घंटे तक बंद कमरे में राजनीतिक गुटरगूं की। सूत्रों की माने तो इनेलो चीफ ओम प्रकाश चौटाला भाजपा नेता बीरेन्द्र सिंह से हिसार व जींद में उनके प्रभाव की राजनीतिक मदद लेने व देने की नीयत से बीरेन्द्र से वार्ता को राजी हुए। इसके पीछे इनेलो चीफ की सोच अपने बेटे अजय चौटाला और उनके पुत्रों को राजनीतिक मात देना बताया गया। अजय चौटाला ने विधानसभा चुनाव से पहले अपने पुत्रों को आगे करके इनेलो सेना को अपने खेमे में मिलाकर इनेलो नेताओं के सत्ता प्राप्त करने के मंसूबों पर पानी फेर दिया था। इनेलो से अलग होकर अजय चौटाला और उसके पुत्र दुष्यंत व दिग्विजय चौटाला ने हरियाणा में विधानसभा चुनाव में 10 विधायक जीताकर भाजपा के साथ मिलकर सत्ता की कुर्सी पर चढ़ गए।

अजय चौटाला, दुष्यंत चौटाला के इस कदम से बीरेन्द्र सिंह परिवार को तगड़ा झटका लगा। इस झटके से बीरेन्द्र सिंह आज भी कराह रहे हैं। इसलिए इनेलो सुप्रीमो ओमप्रकाश चौटाला के साथ मिलकर वह दुष्यंत एंड कंपनी को राजनीतिक मात देना चाहते हैं।

सूत्र बताते है कि बीरेन्द्र सिह की उचाना हल्के के आसपास और हिसार जिले में पकड़ है। किसानों के मसीहा सर छोटू राम का नाती होने की वजह से सहानुभूति भी है। इसीलिए इनेलो चीफ राजनीतिक फायदे के लिए बीरेन्द्र सिंह से मिलने पहुंचे। बताते है कि बीरेन्द्र सिंह को यह आफर दिया गया कि वह दुष्यंत को हराने के लिए मदद लें व दें। हिसार व जींद जिले में बीरेन्द्र सिंह को मदद लेने-देने सहित हरियाणा में एक दूसरे की मदद करने की रणनीति पर गहनता से चर्चा हुई। हरियाणा में इनेलो चीफ और बीरेन्द्र सिंह के मिलने की भनक लगते ही मुख्यमन्त्री मनोहर लाल खट्टर भी बीरेन्द्र सिंह के घर पहुंच गए और बीरेन्द्र सिंह को मनाने के लिए न केवल उनके साथ खाना खाया, बल्कि उनके साथ फोटो वायरल कर इनेलो चीफ की चाल काटने का संदेश भी दिया गया।

श्रीराम धर्मार्थ अस्पताल मामले में एसडीएम ने चुप्पी साधी

मज़दूर मोर्चा ब्यूरो

फ़रीदाबाद : श्रीराम धर्मार्थ अस्पताल विवाद को सुलझाने की बजाय राजनीतिक नेताओं के दबाव पर ज़िला प्रशासन इसे और उलझा रहा है।

पिछले दिनों ग्रीवेन्स कमेटी की बैठक में उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने एसडीएम बडखल से मामले की जाँच करने और दोनों पक्षों की कमेटी बनाने का निर्देश दिए थे। अभी तक एसडीएम ने इस बारे में औपचारिक बैठक तक नहीं बुलाई। ज़िला प्रशासन ने दो हफ़्ते बाद भी इस बैठक की कार्यवाही रिपोर्ट जारी नहीं की है।

इस बीच डीसी दफ़्तर में शिकायत की गई है कि श्रीराम धर्मार्थ अस्पताल के एजेंडा विषय को ही बदल दिया गया। शिकायतकर्ता ने श्रीराम धर्मार्थ अस्पताल में कोविड सेंटर के नाम पर चलाई जा रही अवैध गतिविधियों को बंद करने की माँग की थी। लेकिन कतिपय राजनीतिक तत्व एक गुट के बहकावे में आकर यहाँ ओपीडी चलाना चाहते हैं। यह अस्पताल कोरोना की पहली लहर में बंद था। दूसरी लहर जब ख़त्म होने को थी तो कँवल खत्री गुट यहाँ कोविड सेन्टर खोलने की आड़ में घुस गया। नगर निगम फ़रीदाबाद में अपनी ही ज़मीन पर बने इस अस्पताल में लगाई गई सील को खोल दिया।

आमतौर पर जिला ग्रीवेन्स कमेटी की बैठक के चार-पांच दिन बाद ही बैठक में लिए गए फैसले की जानकारी लिखित रूप से जिला उपायुक्त के दफ्तर से जारी की जाती है। जिस विभाग या जिन संस्थाओं से जुड़े मामले होते हैं, उन्हें बैठक की कार्यवाही भेज दी जाती है। लेकिन 28 जून को हुई बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी किसी संस्था या व्यक्तिगत रूप से नहीं भेजी गई।

पानी में डूब गया इन्द्री का बस स्टैंड

इन्द्री (म.मो.) बस स्टैंड पर पानी की निकासी ना होने की वजह से यात्रियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। बारिश की वजह से इंद्री बस स्टैंड पानी लबालब हो गया। करीब डेढ़ फुट पानी बस स्टैंड के चारों तरफ जमा हो जाने से यात्रियों को बस स्टैंड के अंदर आने जाने के लिए परेशानी का सामना करना पड़ता है।

बस स्टैंड पर आए यात्री सरवन, विकास, नवनीत, प्रभात व अमित ने बताया कि बरसात की वजह से बस स्टैंड पर काफी पानी जमा हो जाता है जिससे बस में सवार होने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। पानी भरने से बीमारियां फैलने का खतरा बना रहता है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि इस पानी की निकासी का जल्द से जल्द समाधान किया जाए ताकि यात्रियों को किसी प्रकार की समस्या ना आए।

इंद्री बस स्टैंड के इंचार्ज सूरजभान ने बताया कि रोडवेज विभाग के अधिकारियों को इस बारे में कई बारअवगत करा दिया गया है और पत्र के माध्यम से नगरपालिका के अधिकारियों को भी इस बारे में सूचित कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि बस स्टैंड के अंदर बरसात का पानी सीवरेज के माध्यम से निकाला जा रहा है। उन्होंने बताया कि बरसात के पानी की निकासी की समस्या का जल्द ही समाधान हो जाएगा।

अपने आप को आरटीओ बता कर इन्स्पेक्टर अनिल ने फ़र्जी चालान किया

बल्लभगढ़ (म.मो.) स्थानीय निवासी अतुल पाल ने इस संवाददाता को सूचित किया कि उसकी गाड़ी नम्बर एच आर 38 पी 1863 जिसका चालक मुकेश अल सुबह 16 जूलाई को कोल्ड ड्रिंक लेकर गाजीयाबाद के लिये निकला था कि सेक्टर दो के निकट सचिव आरटीए (आरटीओ) अनिल कुमार ने उसे रोक लिया। ओवरलोडिंग की जांच कराने के लिये गाड़ी को धर्मकांटे पर ले जाया गया लेकिन वजन पूरा पाया गया यानी ओवर लोडिंग का केस नहीं बना। मज़दूर मोर्चा ने अपने स्तर पर जांच करके पाया कि अनिल आरटीओ न होकर केवल सहायक आरटीओ एवं पुलिस इन्स्पेक्टर है।

इसी बीच सूचना पाकर गाड़ी मालिक अतुल पाल भी मौके पर पहुंच गये और सहायक आरटीओ एवं इन्स्पेक्टर अनिल से पूछा कि बिना बात क्यों परेशान कर रहे हो? ओवर लोडिंग नहीं है और तमाम काग़जात पूरे हैं तो क्यों गाड़ी को पकड़े खड़े हो? इस पर पूरी बेशर्मी से सहायक आरटीओ अनिल बोले कि उनके जिम्मे सरकार ने चालान करने का जो कोटा लगा रखा है उसे तो पूरा करना ही है; ओवर लोडिंग न सही तो प्रदूषण का चालान कर देता हूं। अतुल ने कहा कि कैसे कर दोगे जब उसके पास प्रदूषण प्रमाणपत्र है? सहायक आरटीओ ने कहा कि ज़्यादा कानून मत सिखा मुझे तो अपना कोटा पूरा करना है।

गाड़ी मालिक अतुल भी असली जुझारू निकले। उन्होंने तुरन्त सहायक आरटीओ को याद दिलाया कि जब कुछ माह पूर्व लॉकडाउन के दौरान उन्हें कहीं से भी अपने घर के लिये बेडशीट नहीं मिल रही थी तो उसने अपने भाई की दुकान से उन्हें फ्री में बेडशीट लाकर दी थी। इन्हीं दिनों एक डेटा केबल भी आपको फ्री में दी थी। इतना ही नहीं आपकी फ़टी हुई वर्दी की रफ़ू कराई के 50 रुपये भी उसने अपनी जेब से दिये थे, कुछ तो शर्म करो। लेकिन सहायक आरटीओ अनिल की आंखों में कोई शर्म नहीं थी और प्रदूषण का प्रमाणपत्र होने के बावजूद उन्होंने उसका अवैध चालान कर दिया।

अतुल ने चालान की कम्पाउंड फीस मौके पर अदा करने की बजाय इसे कोर्ट में निपटना बेहतर समझा। उक्त घटना दर्शाती है कि किस तरह से खट्टर सरकार जुर्मानों के नाम पर जनता को लूट-लूट कर अपना खजाना भरना चाहती है; तो वहीं दूसरी ओर पुलिस इन्स्पेक्टर रैंक के अधिकारी ने भी अपनी नंगई का पूरा जुलूस सरेराह निकलवा लिया। यही है खट्टर सरकार का रिश्वत मुक्त प्रशासन।

जागो सरकार...हूडा की जमीन पर मिनी खोरी...

पेज 1 का शेष

पर मृत पाया गया था। किसी समय लेजर वैली के पास हूडा ने सेक्टर काटने की कोशिश की थी लेकिन पीएलपीए की वजह से प्रोजेक्ट रोक दिया गया। इसके बावजूद हूडा यहाँ सड़क चौड़ी करने जा रहा है तो इससे जंगली जीव जंतुओं पर ख़तरा और बढ़ेगा। फिर दोहरा दें कि अरावली ज़ोन में जो अवैध कार वॉशिंग सेंटर बनाए गए हैं, वो इसी रोड पर पड़ते हैं।

पहले मंदिर बनाया, फिर दुकान बना दी

अरावली ज़ोन में पीएलपीए ज़मीन पर कई मंदिर तक बना दिए गए हैं। दरअसल, यहाँ अवैध क़ब्ज़े की शुरुआत मंदिरों से ही हुई है। इस इलाक़े में बने हनुमान मंदिर को सबसे पहले पीएलपीए लैंड पर बनाया गया। फिर मंदिर के परिसर में तीन- चार दुकानें बनाकर उन्हें बिल्डिंग मटीरियल सप्लायरों को किराये पर दे दिया गया। कुछ ने दुकानों को गोदाम में बदल दिया है। सेक्टर 46 में इस संवाददाता ने खुद मंदिरों में भवन निर्माण सामग्री को पड़ा देखा।

इसी तरह पीएलपीए की कई ज़मीनों पर अरावली में दबंग और भूमाफिया अवैध रूप से लैंड फ़िलिंग करा रहे हैं। ताकि जगह को चौरस प्लॉट में बदला जा सके। सड़क के किनारे पेड़ काटकर गिरा दिए

पीएलपीए जमीन पर धड़ल्ले से बनाये जा रहे हैं मंदिर

गए हैं। एक दिन इनमें आग लगाकर रास्ता बना दिया जाएगा।

सीआईडी सक्रिय, पुलिस निष्क्रिय

सीआईडी का तंत्र फ़िलहाल पुलिस तंत्र से ज़्यादा सक्रिय नज़र आ रहा है। हालाँकि पुलिस भी चाहें तो अवैध क़ब्ज़ों की तमाम कोशिशों को समय रहते रोक सकती है लेकिन फ़रीदाबाद पुलिस इस मामले में खासी बदनाम हो रही है। कई मामलों में तो वो खुद अवैध क़ब्ज़ाधारियों से मिल जाती है। बताया जाता है कि अवैध क़ब्ज़ों और अवैध निर्माणों की वजह से बिगड़ती क़ानून व्यवस्था की सूचना सीआईडी बराबर सरकार के पास भेज रही है। बताया जाता है कि हाल ही में एडीजी (सीआईडी) आलोक मित्तल ने हूडा के एस्टेट अफ़सर को सलाह दी थी कि वो 1 जुलाई से लेकर 29 जुलाई तक पुलिस बल लेकर फ़रीदाबाद से अवैध क़ब्ज़े हटा दें। लेकिन हूडा के एस्टेट अफ़सर ही नहीं बाक़ी अफ़सरों ने भी पुलिस बल लेकर अवैध क़ब्ज़े नहीं हटाए।

सहयोग के लिये

मज़दूर मोर्चा- खाता संख्या-451102010004150
IFSC Code : UBIN0545112
Union Bank of India, Sector-7, Faridabad

घर बैठे प्राप्त करें मज़दूर मोर्चा

आज ही अपने हॉकर से कहें, कोई दिक्कत हो तो शर्मा न्यूज एजेंसी से फोन नं 9811159238 पर बात करें। बल्लभगढ़ के पाठक अरोडा न्यूज एजेंसी से 9811477204 पर बात करें।

अन्य बिक्री केन्द्र :

1. प्रिंट फोर्ट, टेलीफोन एक्सचेंज के सामने नेहरू ग्राउंड।
2. रेलवे बुक स्टाल ओल्ड रेलवे स्टेशन
3. एनआईटी रेलवे स्टेशन के बाहर बाटा चौक पुल के नीचे।
4. जितेन्द्र, बाटा सेंटर - 9971064207
5. राम खिलावन-बल्लभगढ़ बस स्टैंड के सामने 9891164794
6. मोती पाहुजा - मिनार गेट पलवल, 9255029919
7. सुरेन्द्र बघेल - बस अड्डा होडल - 9991742421